प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई योजना में बुंदेलखंड, पूर्वांचल के कुछ जिले पीछे

स्टैंड अप इंडिया योजना में लखनऊ सबसे आगे

उपलब्धि

राज्य मुख्यालय | अजित खरे

16629	10710	1631
बैंक शाखाएं प्रदेश में इस समय मौजूद हैं	इसमें सार्वजनिक क्षेत्र बैंकों की शाखाएं हैं	शाखाएं यूपी में निजी बैंक की मौजूद हैं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्टैंड अप इंडिया योजना में यूं तो यूपी की परफार्मेंस देश में सबसे अच्छी है लेकिन राज्य के कई जिले इस योजना में ज्यादा पात्र लोगों को लाभ नहीं दिला पा रहे हैं। इस मामले में पूर्वांचल व बुंदेलखंड के कुछ जिलों में बैंकों की परफार्मेंस ठीक नहीं है, जबकि लखनऊ, आगरा, कानपुर, आगरा, गोरखपुर आदि जिलों में बैंकों ने बेहतर काम किया है।

यह योजना वर्ष अप्रैल 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लांच की थी। इसके तहत हर बैंक शाखा को कम से कम एक एससी या एसटी वर्ग व एक महिला उद्यमी को रोजगार के लिए 10 लाख रुपये से एक करोड़ तक का लोन उपलब्ध करवाना था लेकिन अप्रैल 2016 से जून 2021 तक पिछड़े जिलों में बैंक शाखाएं अपना लक्ष्य पूरा नहीं कर पाईं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले दिनों राज्य स्तरीय बैंकिंग समिति की बैठक में बैंकों के अधिकारियों के साथ योजना की प्रगति की तो सराहना की थी लेकिन कई जिलों की खराब स्थिति पर चिंता भी जताई थी।

बैंक शाखाओं को 33258 आवेदनों पर कर्ज देना था, लेकिन लगभग अब तक 14076 लोगों को 2848.21 करोड़ का कर्ज स्वीकृत हुआ है जबकि 9849 लोगों को 1353.25 करोड़ रुपये का कर्ज बांटा जा चुका है। इस योजना में विभिन्न तरह के स्वरोजगार के लिए कर्ज दिया जाता है। अब तक 205 प्राइवेट बैंकों ने 41 करोड़ का कर्ज ही बांटा जबकि 9073 सार्वजनिक बैंक शाखाओं ने 1248.25 करोड़ रुपये का कर्ज वितरित किया है।

बेहतर परफार्मेंस वाले शीर्ष पांच जिले

कर्ज प्रस्ताव मंजूर करोड़ रुपये

जिले	खाते	रकम
लखनऊ	767	123.09
आगरा	573	87.29
कानपुर नगर	538	79.27
वाराणसी	476	71.42
मेरठ	443	76.13

खराब परफार्मेंस वाले पांच जिले

कर्ज प्रस्ताव मंजूर करोड़ रुपये

जिले	खाते	रकम
श्रावस्ती	10	1.18
चित्रकूट	10	0.95
बलरामपुर	24	2.67
कन्नौज	25	3.44
बांदा	28	3.51